University in News on 11 November 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

बीबीएयू व लविवि क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग में

इस रैंकिंग में पहली बार राजधानी के दो विवि को जगह, बीबीएयू को दक्षिण एशिया में 204वीं व एलयू को 238वीं रैंक मिली

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में राजधानी के दो विश्वविद्यालयों ने पहली बार जगह बनाई है। एनआईआरएफ और नैक में अच्छे प्रदर्शन के बाद बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय ने क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग के तहत दक्षिण एशिया रैंकिंग में 204वां स्थान प्राप्त किया है। लखनऊ विश्वविद्यालय ने इसमें 238वीं रैंक हासिल करने में सफलता प्राप्त की है।

यह रैंकिंग 11 मानकों शैक्षणिक प्रतिष्ठा, नियोक्ता प्रतिष्ठा, संकाय छात्र अनुपात, अंतरराष्ट्रीय अनुसंधान नेटवर्क, प्रति पेपर उद्धरण और प्रति संकाय पेपर, पीएचडी के साथ स्टाफ, अंतरराष्ट्रीय संकाय और अंतरराष्ट्रीय छात्र का अनुपात, एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत देश में आने और विदेश जाने वाले छात्रों का अनुपात पर जारी की गई है। इस साल क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग को मध्य एशिया, पूर्वी एशिया, दक्षिण पूर्वी एशिया और दक्षिणी एशिया के उपवर्ग में बांटा गया है।

बीबीएयू : एशिया में 651-700 के बैंड में पाया स्थान

बीबीएयू की प्रो. शिल्पी वर्मा ने बताया कि बीबीएयू क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में 651-700 के बैंड में स्थान प्राप्त किया है। कुलपति प्रो. संजय सिंह ने इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

लविवि : अंतरराष्ट्रीय छात्र अनुपात का मिला फायदा

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीते सालों से विदेशी विद्यार्थियों की संख्या तेजी से बढ़ी है। इसका फायदा क्यूएस रैंकिंग में मिला है। डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि लविवि ने अंतरराष्ट्रीय छात्र अनुपात में 138वीं रैंक हासिल की है। इस मामले में लविवि का देश में चौथा स्थान आया है। शैक्षणिक और नियोक्ता प्रतिष्ठा में 251वीं रैंक मिली। शैक्षणिक प्रतिष्ठा में 53वां, प्रति अध्यापक पेपर में 83वां स्थान विवि ने हासिल किया। प्रति पेपर 6.3 उद्धरण और प्रति शिक्षक 5.2 उद्धरण हासिल किया। लविवि कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने रैंकिंग पर संतोष जताते हुए इसे और बेहतर बनाने की बात कही है।

क्या है क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग

क्यू (क्वाकरेल्ली सायमोंड्स) यूनिवर्सिटी रैंकिंग में वैश्विक स्तर पर शैक्षणिक संस्थानों की गुणवत्ता के आधार पर रैंक दी जाती है। इससे जहां संस्थान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलती है तो विद्यार्थियों को भी अच्छे संस्थान चुनने में मदद मिलती है। लविवि और बीबीएयू ने पहले भी इसके लिए आवेदन किया था, पर सफलता नहीं मिली थी।

इस बार चीन पर भारत का दबदबा

क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में भारत ने चीन पर दबदबा कायम किया है। एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 में रिकॉर्ड 148 भारतीय विश्वविद्यालयों ने जगह बनाई, जबकि चीन के 133 विवि ही सूची में शामिल हो सके। ऐसा पहली बार है कि इतनी ज्यादा संख्या में सूची में भारतीय विवि शामिल हुए हैं।

दीक्षांत सप्ताह में जनता के लिए खुले रहेंगे संग्रहालय, लाइब्रेरी

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में छह दिसंबर को होने वाले 66वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं। दीक्षांत सप्ताह (एक से सात दिसंबर) तक विवि के सभी विभागों के संग्रहालय व टैगोर लाइब्रेरी को आम जनता के लिए खोला जाएगा।

कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय की अध्यक्षता में शुक्रवार को दीक्षांत समारोह को लेकर बैठक हुई। इसमें सभी विभागाध्यक्ष, निदेशक, समन्वयक व कार्यक्रम को लेकर गठित समितियों के सदस्य शामिल हुए। निर्णय लिया गया कि समारोह के दिन परिसर में स्थापित 103 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण राज्यपाल आनंदी बेन पटेल करेंगी।

दीक्षांत समारोह कला संकाय प्रांगण में होगा। बैठक में पंडाल की रूपरेखा, मंच की साज-सज्जा, अतिथियों और मेडलों की सूची, समारोह में दी जाने वाली बुकलेट को लेकर कुलपति ने संबंधित जिम्मेदारों को निर्देश दिए।

66वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति की अध्यक्षता में बैठक

लविवि की बैठक में कुलपति व अन्य। -संवाद

विभागों में नहीं होंगे कार्यक्रम

दीक्षांत समारोह की तैयारियों के चलते लविवि के सभी विभागों में एक से सात दिसंबर तक कोई सेमिनार, कॉन्फ्रेंस या अन्य कार्यक्रम नहीं होंगे। रजिस्ट्रार विनोद कुमार सिंह ने इस संबंध में पत्र जारी कर दिया।

छात्रों ने समझीं कानून की बारीकियां

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय की संस्था प्रो. बोनो क्लब व विधिक सेवा केंद्र के सदस्यों ने शुक्रवार को कार्यशाला में छात्रों को कानून की बारीकियां समझाईं। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राधिकरण के सदस्य सचिव संजय सिंह ने की। उन्होंने कहा, छात्र न्यायिक अधिकारी और पैनल अधिवक्ताओं से काम करने की शैली सीखें।

डीन प्रो. बीडी सिंह ने कहा, ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों में समाज के लिए कार्य करने के लिए नई ऊर्जा का संचार होता है। इस मौके पर शिवांगी, रितम, यश, अनुष्का, रिश्ता, आरीब, वैभव आदि लोग मौजूद रहे।

ग्रामीणों को कानून की जानकारी देंगे छात्र

लखनऊ। लविवि के विधि संकाय के छात्र ग्रामीणों को कानून की बारीकियां समझाएंगे। छात्र इनके पुराने राजस्व व फौजदारी केस लोक अदालत से निपटाने में भी मदद करेंगे। लविवि के प्रो. बोनो क्लब ने न्याय बंधु योजना के तहत गोहना कला गांव को गोद लिया है। छात्र महीने में एक दिन इसका दौरा करेंगे। छात्र मनीष तिवारी ने बताया कि प्रो. बोनो एसोसिएट्स ने नवंबर के पहले सप्ताह में गांव के लगभग 150 घरों में जाकर उनकी न्यायिक समस्याओं को जाना। (संवाद)

ब्रज भाषा के विकास पर की गई चर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान ने शुक्रवार को ब्रज भाषा का विकास एवं ब्रज भाषा के साहित्य पर विकास विषय पर गोष्ठी की। संस्थान के निदेशक विनय श्रीवास्तव ने ब्रज भाषा के साहित्य में होने वाले परिवर्तनों को समझने, विश्लेषण करने के माध्यम पर चर्चा की। अर्चना सिंह, सरोज खुलवे, ममता सिंह, आदित्य तिवारी, और अवनीश ने ब्रज भाषा और साहित्य के महत्वपूर्ण पहलुओं पर प्रकाश डाला। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 8

LU: सबके लिए खुले रहेंगे संग्रहालय और लाइब्रेरी

■ एनबीटी सं., लखनऊ : एलयू में 1 से 7 दिसंबर तक विभागों में बने संग्रहालयों और टैगोर लाइब्रेरी आम लोगों के लिए खुली रहेगी। विवि के 66वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को वीसी की मौजूदगी में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस दौरान ओल्ड कैंपस के कला संकाय में होने वाले समारोह के लिए पंडाल, मंच, अतिथियों और मेडलों की सूची के साथ ही समारोह में दिए जाने बुकलेट पर विचार-विमर्श हुआ। इस दौरान तय हुआ कि दीक्षांत सप्ताह के दौरान 1 से 7 दिसंबर तक सभी विभागों के संग्रहालयों व टैगोर लाइब्रेरी को आम जनता के लिए खोला जाएगा। रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने दीक्षांत समारोह के दौरान विवि में सेमिनार, कॉन्फ्रेंस समेत कोई अन्य कार्यक्रम नहीं होने के निर्देश भी जारी किए हैं।

क्यूएस साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में बीबीएयू को 204वां स्थान

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

क्यूएस साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग-2024 में बीबीएयू को 204वां जबकि एलयू को 238वीं रैंक मिली है। इस बार देश के 148 विश्वविद्यालयों ने रैंकिंग में जगह मिली है।

बीबीएयू के वीसी प्रो. संजय सिंह के अनुसार रैंकिंग में विवि को 204वां स्थान मिला है। इसके साथ ही विवि ने 651-700 के बैंड में जगह बनाई है। उप्र में अलीगढ़ और बीएचयू के बाद रैंकिंग में जगह बनाने वाला बीबीएयू तीसरा विश्वविद्यालय है। वीसी ने बताया कि क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग वैश्विक उच्च शिक्षा विश्लेषक क्वाक्वेरेली साइमंड्स द्वारा संकलित तुलनात्मक विवि रैंकिंग का पोर्टफोलियो है। इसमें देश के 148 विवि जगह बनाने में सफल रहे हैं। वहीं, एलयू वीसी प्रो.आलोक कुमार राय ने बताया कि शैक्षणिक संस्थानों की सबसे प्रतिष्ठित रैंकिंग में शामिल होना गर्व की बात है। डीन एकेडमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा के अनुसार एलयू ने अंतरराष्ट्रीय छात्र अनुपात में 138वीं, शैक्षणिक और नियोक्ता प्रतिष्ठा में 251वीं रैंक हासिल की है। अंतरराष्ट्रीय स्टूडेंट अनुपात में चौथा, शैक्षणिक प्रतिष्ठा में 53, प्रति अध्यापक पेपर में 83 स्थान हासिल किया है।

देश के 148 विश्वविद्यालयों को मिली स्थान, एलयू की 238वीं रैंक

i-NEXT PAGE 5

6 दिसंबर को होगा एलयू का दीक्षांत समारोह

LUCKNOW (10 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी में 6 दिसंबर को होने वाले 66वें दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर शुक्रवार को कुलपति की अध्यक्षता में एक बैठक हुई. इस बैठक में कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के अलावा विभिन्न संकायों के अध्यक्ष, विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, निदेशक व समन्वयक शामिल रहे. साथ ही इनमें दीक्षांत की तैयारी के लिए बनाई गई समितियों के संयोजक भी मौजूद रहे. प्रो. आलोक राय ने बताया कि 6 दिसंबर को दीक्षांत समारोह के दिन राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदी पटेल मालवीय सभागार के सामने लगाए गए राष्ट्रीय झंडे का अनावरण करेंगी. इस बार दीक्षांत समारोह का आयोजन एलयू के ऐतिहासिक आर्ट्स फैकल्टी में होना है. इसको लेकर कला संकाय में बनने वाले पंडाल की रूपरेखा, मंच की साज-सज्जा, अतिथियों की सूची, मेडलों की सूची, दीक्षांत समारोह में वितरित किए जाने वाले बुकलेट को लेकर विस्तृत चर्चा की गई.

एलयू को 238वीं रैंक

क्यूएस साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 के परिणाम में शहर की लखनऊ यूनिवर्सिटी को दक्षिणी एशियाई विश्वविद्यालयों के बीच 238 वीं रैंक हासिल की है. एलयू के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि एलयू क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग शैक्षणिक संस्थानों की सबसे प्रतिष्ठित रैंकिंग है. यह अनुसंधान और खोज, रोजगार योग्यता और परिणाम, सीखने के अनुभव और वैश्विक जुड़ाव के आधार पर एक शैक्षणिक संस्थान को रैंक करता है.

DAINIK JAGRAN PAGE 4

क्यूएस दक्षिण एशिया रैंकिंग में यूपी के तीन विश्वविद्यालय

- लखनऊ, मेरठ व गोरखपुर की यूनिवर्सिटी ने बनाई जगह
- राज्यपाल ने अच्छे प्रदर्शन के लिए दी बधाई, बढ़ाया मान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ : क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) दक्षिण एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग में उत्तर प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों ने स्थान हासिल कर मान बढ़ाया है। दक्षिण एशिया के आठ देशों में विश्वविद्यालयों में गुणवत्तापरक शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर शोध करने सहित विभिन्न मानकों की कसौटी पर इन्हें कसा है। इस रैंकिंग में मेरठ के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय ने 219 वीं रैंक, लखनऊ विश्वविद्यालय ने 238 वीं और गोरखपुर के दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय ने 258 वीं रैंक हासिल की है। दक्षिण एशिया के कुल 280 विश्वविद्यालय ही इस सूची में अपनी जगह बना सके हैं।

क्यूएस एक प्रतिष्ठित ब्रिटिश कंपनी है और यह विश्व भर के विश्वविद्यालयों की रैंकिंग करती है। अब विश्व को विभिन्न रीजन में बांटकर भी रैंकिंग कर रही है। वर्ष 1990 में ब्रिटेन में नुंजियो क्वाक्वेरेली ने इसकी स्थापना की थी। फिलहाल दक्षिण एशिया के आठ देशों जिसमें भारत के अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका, मालद्वीप, नेपाल, भूटान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश शामिल हैं।

पहली बार राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देश पर यूपी के विश्वविद्यालयों ने क्यूएस रैंकिंग के लिए आवेदन किया और इसमें रैंक हासिल की है। उन्होंने इस उपलब्धि पर तीनों विश्वविद्यालयों के कुलपतियों को बधाई दी है।

यह अकादमिक उपलब्धियों, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित रिसर्च पेपर ही नहीं बल्कि प्रशासनिक दक्षता और विश्वविद्यालय के पूर्व छात्रों ने किन-किन क्षेत्रों में ख्याति प्राप्त की है, इन सभी का मूल्यांकन करती है। उच्च शिक्षण संस्थानों को विभिन्न देश के साथ-साथ विश्व स्तर पर अपनी धाक जमाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

JAGRAN CITY PAGE IV

क्यूएस साउथ एशिया में मिली 238वीं रैंक

लवि

जासं, लखनऊ : क्यूएस साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 की ओर से हाल ही में परिणाम घोषित किए गए हैं। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि लवि को दक्षिणी एशियाई विश्वविद्यालयों के बीच 238 वीं रैंक पाने में सफलता मिली है। क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग शैक्षणिक संस्थानों की सबसे प्रतिष्ठित रैंकिंग है। यह अनुसंधान और खोज, रोजगार योग्यता और परिणाम, सीखने के अनुभव और वैश्विक जुड़ाव के आधार पर एक शैक्षणिक संस्थान को रैंक करता है।

डीन एकेडमिक्स प्रो गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि लवि को अंतरराष्ट्रीय छात्र अनुपात में 138वीं रैंक और शैक्षणिक और नियोक्ता प्रतिष्ठा में 251वीं रैंक मिली। क्यूएस रैंकिंग 2024 में भाग लेने वाले भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में से लवि ने अंतरराष्ट्रीय छात्र अनुपात में चौथा स्थान, शैक्षणिक प्रतिष्ठा में 53, प्रति अध्यापक पेपर में 83 स्थान हासिल किया।

LOKSATYA PAGE 2

विधि के छात्रों ने विधिक सेवा दिवस कार्यक्रम में रखे अपने विचार

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्विद्यालय के विधि संकाय कि प्रतिष्ठित संस्था प्रो बोनो क्लब व विधिक सेवा केंद्र के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग लिया।

कार्यक्रम कि अध्यक्षता राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव श्रीं संजय सिंह जी ने की। संकाय प्रभारी डॉ आलोक यादव जी ने बताया कि कार्यक्रम में छात्रों विधिक सेवा दिवस के अवसर पर छात्रों राज्य स्तर पर मौका दिया गया है कि निःशुल्क विधिक सेवा के बारे में छात्र अपना विचार व्यक्त करें और न्यायिक अधिकारी, और पैनल अधिवक्ताओं से कार्य करने कि शैली सीखे ।

संकाय प्रमुख प्रो बीडी सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों में समाज के लिए कार्य करने के लिए नई ऊर्जा का संचार होता है। प्रो बोनो क्लब के संयोजक मनीष तिवारी ने बताया कि आज के कार्यक्रम से मुझे और मेरी टीम को एक बहुत सारे नए आयामों के बारे में पता चला है कि कैसे हम लोग आमजन तक निःशुल्क विधिक सहायता पहुचा सकते है और भविष्य में हम लोग कोशिश करेंगे की और अच्छे काम हो सके। कार्यक्रम में शिवांगी, रितम, यश, अनुष्का, रिश्ता, आरीब , वैभव आदि लोग मौजूद रहे।

3 विवि को स्थान मिलने पर राज्यपाल ने दी बधाई

लखनऊ, लोकसत्य

उपलब्धि

- क्यू.एस. साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में प्रदेश के तीन विश्वविद्यालय

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने क्यू.एस. साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में प्रदेश के तीन विश्वविद्यालयों के उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई देते हुए उत्तरोत्तर प्रगति के लिए शुभकामनाएं दी हैं। पहली बार उत्तर प्रदेश के तीन राज्य विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित क्यूएस साउथ एशिया रैंकिंग 2024 में स्थान स्थान हासिल किया है।

हाल ही में जारी क्यू.एस. साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में प्रदेश के चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ को 219 वीं रैंक, लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ को 238 वीं रैंक तथा दीनदयाल उपाध्याय विश्वविालय गोरखपुर को 258 वीं रैंक हासिल हुई है। ये रैंकिंग समस्त दक्षिण एशिया के विश्वविद्यालयों की तुलना में हासिल हुई है, जो एक गौरवपूर्ण उपलब्धि है। प्रदेश के तीनों विश्वविद्यालयों को नैक ग्रेडिंग में सर्वोच्च ग्रेड 'ए प्लस प्लस' प्राप्त है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने उच्च शिक्षण संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण सुधार करने और नैक मूल्यांकन, एन.आई.आर.एफ. मूल्यांकन तथा क्यू.एस. वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग, क्यू.एस. एशिया रैंकिंग जैसे विविध मूल्यांकनों हेतु उच्चतम ग्रेड की तैयारी के साथ अपना दावा प्रस्तुत करने के लिए न केवल प्रोत्साहित किया गया, अपितु युद्ध स्तर पर तैयारियों के व्यापक निर्देश और समीक्षा बैठकों से शिक्षण व्यवस्था और इन्फ्रास्ट्रक्चर में गुणवत्तापूर्ण सुधार भी कराए गए हैं।

एलयू के 66वें दीक्षांत समारोह को लेकर एक बैठक

PIONEER PAGE 3

दीक्षांत समारोह पर राज्यपाल करेंगी राष्ट्रीय ध्वज का अनावरण

क्यूएस साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में तीन विश्वविद्यालयों को मिला स्थान

● राज्यपाल ने दी बधाई, रैंकिंग में लविवि को मिली 238वीं रैंक

बीबीएयू को मिला 204वां स्थान

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

दीक्षांत समारोह को लेकर कुलपति ने बनायी कमेटी

राष्ट्रीय झंडे का अनावरण करेंगी राज्यपाल

साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में तीन विश्वविद्यालयों के स्थान प्राप्त करने पर राज्यपाल ने दी बधाई

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

क्यू एस साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में प्रदेश के तीन विश्वविद्यालय

विधि छात्रों ने विधिक सेवा दिवस कार्यक्रम में लिया हिस्सा

लविवि दीक्षांत समारोह की तैयारी पर मंथन

कुलपति ने सभी कार्य समय से पूरा करने के दिये निर्देश

AMRIT VICHAR PAGE 4

दक्षिण एशियाई देशों में लविवि को 238वीं रैंक

विश्व प्रसिद्ध क्यूएस साउथ एशिया विश्वविद्यालय रैंकिंग 2024 के परिणाम जारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

उपलब्धि

- अनुसंधान, खोज, रोजगार, योग्यता और परिणाम किए गए शामिल
- क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग का स्तर शैक्षणिक संस्थानों में सबसे प्रतिष्ठित

अमृत विचार : छात्रों के लिए खबर बड़ी उपलब्धि भरी है। दक्षिण एशियाई देशों में उप्र के लखनऊ विवि ने विभिन्न क्षेत्रों में अपनी धाक जमाई है। जिसके कारण रैंकिंग परिणामों में वो 238 वें स्थान पर आई है। बड़ी उपलब्धि में अनुसंधान और खोज के अलावा रोजगार परक योग्यता, अनुभव और वैश्विक जुड़ाव के आधार शामिल किये गए हैं।

बीते दिन विश्व प्रसिद्ध क्यूएस साउथ एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2024 ने अपने परिणाम घोषित किए हैं। लखनऊ विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि लखनऊ विवि ने दक्षिणी एशियाई विवि के बीच शैक्षणिक क्षेत्र में अपनी जगह बनाई है। लखनऊ विवि 238 वीं रैंक हासिल करने में सक्षम रहा है। बताते हैं कि क्यूएस यूनिवर्सिटी रैंकिंग शैक्षणिक संस्थानों की प्रतिष्ठित रैंकिंग है।

रैंकिंग में विवि द्वारा किये गए अनुसंधान और खोज को शामिल किया गया। वहीं रोजगार योग्यता और परिणाम के अतिरिक्त सीखने के अनुभव व वैश्विक जुड़ाव के आधार भी रैंक का मुख्य अंग बने हैं। ऐसे में शैक्षणिक संस्थान को रैंक में स्थान और बढ़त मिली है।

शैक्षणिक व नियोक्ता प्रतिष्ठा में 251वीं रैंक

लखनऊ विवि की डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा बताती हैं कि शैक्षणिक और नियोक्ता प्रतिष्ठा में भी विवि ने अपनी मजबूत जगह बना ली है। हुई रैंकिंग में अन्तरराष्ट्रीय अनुपात में छात्र अनुपात को सम्मिलित किया गया। जिसमें लखनऊ विवि को 138 वीं रैंक हासिल हुई। शैक्षणिक और नियोक्ता प्रतिष्ठा में 251 वीं रैंक भी विवि को मिली है।

अंतरराष्ट्रीय छात्र अनुपात के मामले में लखनऊ विश्वविद्यालय को चौथा स्थान

क्यूएस रैंकिंग 2024 में छात्रों के अध्ययन को भी अनुपातिक योग में शामिल किया गया। ऐसे में भारतीय शैक्षणिक संस्थानों में लखनऊ विवि चौथे पायदान पर पहुंचा है। वहीं शैक्षणिक प्रतिष्ठा में 53 वां स्थान है। इसके अतिरिक्त प्रति अध्यापक पेपर में ये योग्यता 83 स्थान पर पहुंची है। क्यूएस रैंकिंग 2024 में लखनऊ विवि ने प्रति पेपर उद्धरण और प्रति संकाय पेपर के मामले में भी अच्छा प्रदर्शन किया है। इसमें क्षेत्रीय औसत 7.9 की तुलना में प्रति पेपर 6.3 उद्धरण और क्षेत्रीय औसत 4.1 की तुलना में प्रति अध्यापक 5.2 उद्धरण हैं।

सामाजिक कार्य देते हैं नित नई ऊर्जा : संजय सिंह

66वें दीक्षांत समारोह को लेकर मंथन जारी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विवि में 6 दिसंबर को होने वाले दीक्षांत समारोह को लेकर होने वाले कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। मंथन की अध्यक्षता कुलपति ने की। बुकलेट से लेकर कार्यक्रम से जुड़े हर बिन्दुओं पर चर्चा की गई। सम्मान पाने वाले विवि के मेधावी रहे पूर्व छात्रों की सूची को अंतिम रूप देने का कार्य भी किया गया।

विवि के डीपीए सभागार में 66 वें दीक्षांत समारोह के आयोजन को लेकर शुक्रवार को एक बैठक का आयोजन हुआ। जिसकी अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने की। बैठक में विभिन्न संकायों के अध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक एवं समन्वयक सम्मिलित थे। दीक्षांत समारोह को लेकर जिन विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, उन समितियों के संयोजक भी मौजूद रहे। एक- एक कर कार्यक्रम में शामिल होने वाले हर बिन्दुओं पर चर्चा की गई। सम्मानित होने वाले लोगों का ब्योरा भी समिति की ओर से कुलपति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। जिसको लेकर मंथन हुआ, फिर एक राय हुई।

बताते हैं कि 6 दिसंबर को सम्मान पाने वालों में विवि में पूर्व में अध्ययन कर चुके मेधावी छात्र शामिल हैं। इनमें से कुछ प्रशासनिक अफसर तो कई विदेशों में ख्याति प्राप्त हैं। उधर बैठक के दौरान कला संकाय में बनने वाले पंडाल की रूपरेखा, मंच की साज-सज्जा, अतिथियों की सूची, मेडलों की सूची, दीक्षांत समारोह में वितरित किए जाने वाले बुकलेट को लेकर विस्तृत चर्चा की गई।

विभागाध्यक्षों के साथ बैठक करते लखनऊ विवि के कुलपति। अमृत विचार

आयोजन

- कुलपति की अध्यक्षता में हुई बैठक, विभागाध्यक्ष भी रहे मौजूद
- 6 दिसंबर को आयोजित होगा दीक्षांत समारोह, बुकलेट पर चर्चा

राज्यपाल करेंगी राष्ट्रीय झंडे का अनावरण

समीक्षा बैठक के दौरान कुलपति ने बताया कि दीक्षांत समारोह के दिन उप्र की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदी पटेल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। उनके द्वारा मालवीय सभागार के सम्मुख स्थापित राष्ट्रीय झंडे का अनावरण किया जाएगा।

संग्रहालय की उपलब्धता

66 वें दीक्षांत समारोह का आयोजन लखनऊ विवि के ऐतिहासिक कला संकाय प्रांगण में होगा। कुलपति ने बताया कि दीक्षांत सप्ताह में टैगोर लाइब्रेरी और विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के संग्रहालय सभी के लिए उपलब्ध होंगे।

अमृत विचार